हरियाणा में 2,000 वर्ष पुराना बौद्ध स्थल

चर्चा में क्यों?

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) कानपुर की एक टीम ने **हरियाणा के यमुनानगर ज़िले** में मिट्टी के नीचे दबे **प्राचीन बौद्ध स्तूपों** और **संरचनात्मक अवशेषों** के संकेत खोजे हैं।

मुख्य बिंदु

शोध निष्कर्षों के बारे में:

- **प्राचीन संरचनाओं की खोज:**
  - **उन्नत ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार (GPR) तकनीक** का उपयोग करके सतह से लगभग 6 से 7 फीट नीचे गोलाकार संरचनाओं, दीवारों और **कक्ष जैसे कमरों** सहित **प्राचीन संरचनाओं** के संकेत पाए गए।
  - यह लगभग 2,000 वर्ष पुराने **बौद्ध स्थल** की संभाव्यता की ओर संकेत करता है।
- **सर्वेक्षण और स्थान:**
  - **हरियाणा राज्य पुरातत्त्व विभाग** द्वारा प्रारंभ किये गए इस सर्वेक्षण का उद्देश्य **टोपरा कलाँ** और **आस-पास के गाँवों** जैसे क्षेत्रों में **ऐतिहासिक अवशेषों** को उजागर करना था, जहाँ कभी-कभी पुरानी ईंटें प्राप्त होती हैं, जो संभावित पुरातात्त्विक महत्त्व की ओर संकेत करती हैं।
- **बौद्ध स्तूप के साक्ष्य:**
  - जी.पी.आर. रीडिंग से **अर्द्ध-वृत्ताकार संरचनाओं** का पता चला, जिससे शोधकर्त्ताओं ने प्राचीन स्तूप की उपस्थिति की परिकल्पना की।
  - **पुरातत्त्व अधिकारियों** ने इस परिकल्पना की पुष्टि करते हुए **स्तूप की संभावित खोज** को भी प्रमाणित किया है।
- **महत्व:**
  - **स्थानीय मौखिक परंपराओं** के अनुसार, ये निष्कर्ष **बौद्ध युग** या **महाभारत काल** से संबंधित हो सकते हैं।
  - ये **उपमहाद्वीप** में **प्राचीन व्यापार मार्गों**, **धार्मिक नेटवर्कों** तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान के बारे में महत्त्वपूर्ण जानकारी प्रदान करते हैं।
  - यदि आगे की खुदाई में इसी प्रकार की संरचनाएँ प्राप्त होती हैं, तो यह इस **प्राचीन संस्कृति** के व्यापक प्रभाव को प्रमाणित कर सकती है।

भारत के अन्य प्रमुख बौद्ध स्थल

- **बिहार:**
  - **बोधगया** वह स्थान है, जहाँ **सिद्धार्थ गौतम** को बोधि वृक्ष के नीचे ज्ञान की प्राप्ति हुई थी।
    - **महाबोधि मंदिर**, जो वर्ष 2002 से **यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल** है, वह स्थान है, जहाँ बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ था।
  - **वैशाली** में बुद्ध ने अपने **महापरिनिर्वाण** की घोषणा की थी और अंतिम उपदेश दिया था।
  - **नालंदा विश्वविद्यालय** एक प्रसिद्ध **प्राचीन शिक्षा केंद्र** था, जहाँ दुनियाभर से **बौद्ध विद्वान** एकत्र होते थे।
- **उत्तर प्रदेश:**
  - **सारनाथ** में बुद्ध ने अपने **प्रथम पाँच शिष्यों** को **प्रथम उपदेश** दिया था, जिसमें उन्होंने **चार आर्य** सत्य और अष्टांगिक मार्ग का वर्णन किया था।
  - **धमेख स्तूप** (सारनाथ) वह स्थल है, जहाँ बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश दिया था।
  - **कुशीनगर** वह स्थान है जहाँ बुद्ध ने महापरिनिर्वाण (अंतिम निर्वाण) प्राप्त किया था।
  - **रामभर स्तूप** (कुशीनगर) को वह स्थान माना जाता है जहाँ बुद्ध का अंतिम संस्कार किया गया था।
- **हिमाचल प्रदेश:**
  - **धर्मशाला**, विशेषकर **मैक्लॉडगंज**, **तिब्बती निर्वासित सरकार** और **दलाई लामा** का मुख्यालय है। यह **तिब्बती बौद्धों** का प्रमुख केंद्र है।
- **महाराष्ट्र:**
  - **एलोरा गुफाएँ** एक **यूनेस्को विश्व विरासत स्थल** हैं, जिनमें **बौद्ध**, **हिंदू** और **जैन** परंपराओं से संबंधित शिलानिर्मित मंदिर तथा प्रतिमाएँ

हैं।
    - **[अजंता गुफाएँ]** अपनी **प्राचीन बौद्ध विहारों** और **बुद्ध के जीवन** पर आधारित **भित्तिचित्रों** के लिये प्रसिद्ध हैं।
- **मध्य प्रदेश:**
    - **[साँची स्तूप]** एक यूनेस्को विश्व विरासत स्थल है, जो अपने बौद्ध स्तूपों, विहारों और स्तंभों के लिये जाना जाता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/2,000-year-old-buddhist-site-in-haryana